का आर्गेनाइजेशन नहीं है कि जो वहां पर जाकर विस्तार से चेक करे। अगर कभी हमारे पास कोई शिकायत आती है तब हम यहां से टीम भेजते हैं। लेकिन मानीटरिंग की अधिकतर जिम्मेदारी प्रदेश सरकार पर है।

श्री सतीश प्रधान: सभापति महोदय, मैं सिर्फ इतना जानना चाहता हूं कि केंद्र सरकार द्वारा रास्तों के लिए दिया हुआ जो पैसा है क्या स्टेट गवर्नमेंट ने उसको दूसरी जगह यूज किया है, क्या ऐसी मालूमात आपको है?

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी: माननीय सभापति जी, एक प्रक्रिया है। प्रदेश सरकार से हमारे पास एक खास जगह के लिए धन मांगा जाता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर हम विस्तार से उनका प्रोजेक्ट और एस्टीमेट मांगते हैं और वह पैसा उसी के ऊपर खर्च होता है, दूसरी जगह वे खर्च नहीं कर सकते हैं।

श्री सतीश प्रधान: नहीं, ऐसा अनुभव हुआ है, क्योंकि बहुत सी जगहों पर ऐसा पैसा दूसरी जगह यूज किया गया है। इसीलिए मैं पूछ रहा हूं कि क्या आपको ऐसी कुछ जानकारी है?

श्री सभापति: क्या आपकी जानकारी है? उनको तो बाद में पूछिएगा। क्या आपको जानकारी है या अनुमान से कह रहे हैं?

श्री सतीश प्रधान: अलग-अलग कमेटियों में काम करते समय मैंने यह अनुभव किया है कि केंद्र सरकार की तरफ से गया हुआ पैसा उसी काम के लिए यूज में नहीं आता है।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खन्डूड़ी: अगर आपके पास कोई जानकारी है तो इसके ऊपर उच्च स्तर के ऊपर जांच पड़ताल करवा देंगे। हमारी जानकारी में नहीं है।

**328. [The questioner (Shri Ram Jethmalani and Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan') were absent. For answer vide page 41 infra.]*

**329. [The questioner (Shri Amar Singh) was absent. For answer vide page 42.]*

Indo-Asean Summit on Economic Co-operation and Terrorism

*330. DR. T. SUBBARAMI REDDY:†
SHRI K. NATWAR SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the first-ever Indo-ASEAN Summit was held on 5th November, 2002 to focus on economic co-operation and terrorism;

†The question was actually asked on the floor of the House by Dr. T. Subbarami Reddy.

(b) if so, the discussions held in the Summit;

(c) whether any declaration was made; and

(d) to what extent India supported the resolution on terrorism and economic co-operation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DIGVIJAY SINGH): (a) The first India-ASEAN Summit focused on the theme of "strengthening India-ASEAN Cooperation", including cooperation on economic issues, and in combating terrorism.

(b) Wide-ranging discussions on political, economic, and functional cooperation between India and ASEAN took place at the Summit. Trade and investment, science and technology, HRD, expansion of people-to-people contacts, development of transportation linkages, and the Initiative for ASEAN Integration (IAI) figured prominently.

(c) and (d) The Summit issued a Joint Statement committing India and ASEAN, *inter alia*, to stronger economic linkages, and to cooperation in combating terrorism and other transnational crimes.

श्री सभापति: प्रश्न संख्या 330, डा॰ सुब्बारामी रेड्डी। ये तो यहां रहेंगे ही। क्या क्वेश्चन आवर के अलावा और कोई काम ही नहीं है आपके पास?

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, we are very grateful to you because you have created a record by taking up all the twenty questions listed for the day. Our Prime Minister had gone to the Summit skipping his Diwali. My question is,...

श्री सभापति: आप बोलिए, "क्वेश्चन नम्बर 330"। आप बोलिए एक बार।

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sorry, Sir, I did it because, I always try to save some time. That is the problem. The hon. Prime Minister had gone to attend the historic India-ASEAN Summit, skipping his Diwali also, which has been reported by all the newspapers. It has been said, "The Summit issued a Joint Statement committing India and ASEAN, *inter alia*, to stronger economic linkages, and to cooperation in combating terrorism and other transnational crimes." Here, I would like to know the progres that we have achieved in this

regard. When is the next Summit going to take place? I would also like to know whether we are going to have any informal discussion with these ASEAN countries before the next Summit, and to reach a concrete agreement with them.

श्री दिग्विजय सिंह: सभापति जी, माननीय सदस्य ने बिल्कुल सही कहा है। प्रधान मंत्री जी उस दिन दिवाली छोड़कर इस काम की प्रमुखता को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम में गए थे। भारत के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि पहली बार इंडिया और आसियान कंट्रीज के बीच में ज्वाइंट समिट हो रही थी। इसलिए हमारे लिए यह बड़ी प्रसन्नता की बात है। अगले साल हम फिर मिलेंगे। बाली में हमारी मुलाकात होगी जिसमें भारत के प्रधान मंत्री उसकी हिस्सेदारी करेंगे।

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, my question is about the progress made. I would like to know whether the hon. Minister would inform the House as to what progress has been made. The hon. Minister is only referring about Diwali.

श्री दिग्विजय सिंह: प्रोग्रैस का जहां तक सवाल है, तो यह पहली बैठक थी। उस बैठक में हमने जो सफलता पाई है उसमें एक तो यह है कि टैरोरिज्म के बारे में आसियान कंट्रीज़ और भारत ने यह तय किया है कि हमको मिल कर उसके खिलाफ लड़ना है।

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I am happy to know the concrete programmes of cooperation. I would also like to know what progress has been made in dealing with trans-national crimes, such as terrorism, arms smuggling, money laundering and drug trade which have developed in the region.

In part (b) of my question I would like to know the progress towards the creation of an ASEAN-India free trade region by bringing China and Japan into it. Has any progress been achieved in this direction?

श्री दिग्विजय सिंह: माननीय सभापति जी, अक्तूबर महीने में जब बाली में मिलेंगे तब साल भर में हमारी क्या प्रोग्रैस हुई, यह सब जानकारी सदस्य महोदय को मिल जाएगी।

DR. KARAN SINGH: Sir, it is indeed a very welcome development that our dialogue with the ASEAN countries is beginning to take roots. The meeting covered economic relationship and the question of dealing with terrorism. I would like to know from the hon. Minister whether

there is also a move towards strengthening of our cultural relations with the ASEAN countries, because we have profound cultural relations based on Buddhism, Hinduism and other cultural artefacts. Are you moving on that also or simply confining yourselves to terrorism and economics?

श्री दिग्विजय सिंह: माननीय सभापति जी, माननीय सदस्य महोदय ने जो सवाल पूछा है वह बिल्कुल सही पूछा है जो हमारा ज्वाइंट स्टेटमेंट आया था, उस स्टेटमेंट का जो प्रमुख भाग है, वह भारत और आसियान देशों का जो सांस्कृतिक पहलू है, उसमें उसके महत्व को स्वीकार किया है और मुझे यकीन है कि आगे आने वाले दिनों में हमारे सांस्कृतिक संबंध और बेहतर होंगे।

SHRI EDUARDO FALEIRO: Sir, I see that there is now a great enthusiasm and commitment of our Government towards the ASEAN summit. At the same time we see that we are not keen about the SAARC summit. Is it our policy now to look at larger regional groupings at the cost of SAARC? If not, what is the role of the SAARC? I am putting this question keeping in view the fact that our own Foreign Minister had fixed the date in Kathmandu for its meeting in January. Again, we repeated this commitment in New York in September. I would like to know from the hon. Minister whether we are withdrawing from the SAARC. Does it not mean dilution of our interest in the SAARC?

श्री दिग्विजय सिंह: माननीय सभापति जी, हालांकि इस सवाल का इससे संबंध नहीं है लेकिन फिर भी मैं इतना बताना चाहूंगा कि सॉर्क को मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। सॉर्क की सफलता कुछ शर्तों पर निर्भर करती है। जब तक दूसरे देश उसमें अपना समर्थन नहीं देंगे तब तक उसकी सफलता हम अकेले पूरा नहीं कर सकते हैं। जहां तक आसियान से बढ़ते हुए हमारे संबंधों का सवाल है वह माननीय सदस्य ने बिल्कुल ठीक कहा, हम आसियान से अपना संबंध बढ़ाना चाहते हैं और आने वाले दिनों में व्यापार, सांस्कृतिक, राजनीतिक, हर तौर पर यह बेहतर होगा।

Provision of plots/flats to EPF Members

*331. SHRI NANA DESHMUKH: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether Government have since decided to provide plots and flats at low cost to all 3.5 crore members of the Employees Provident Fund;